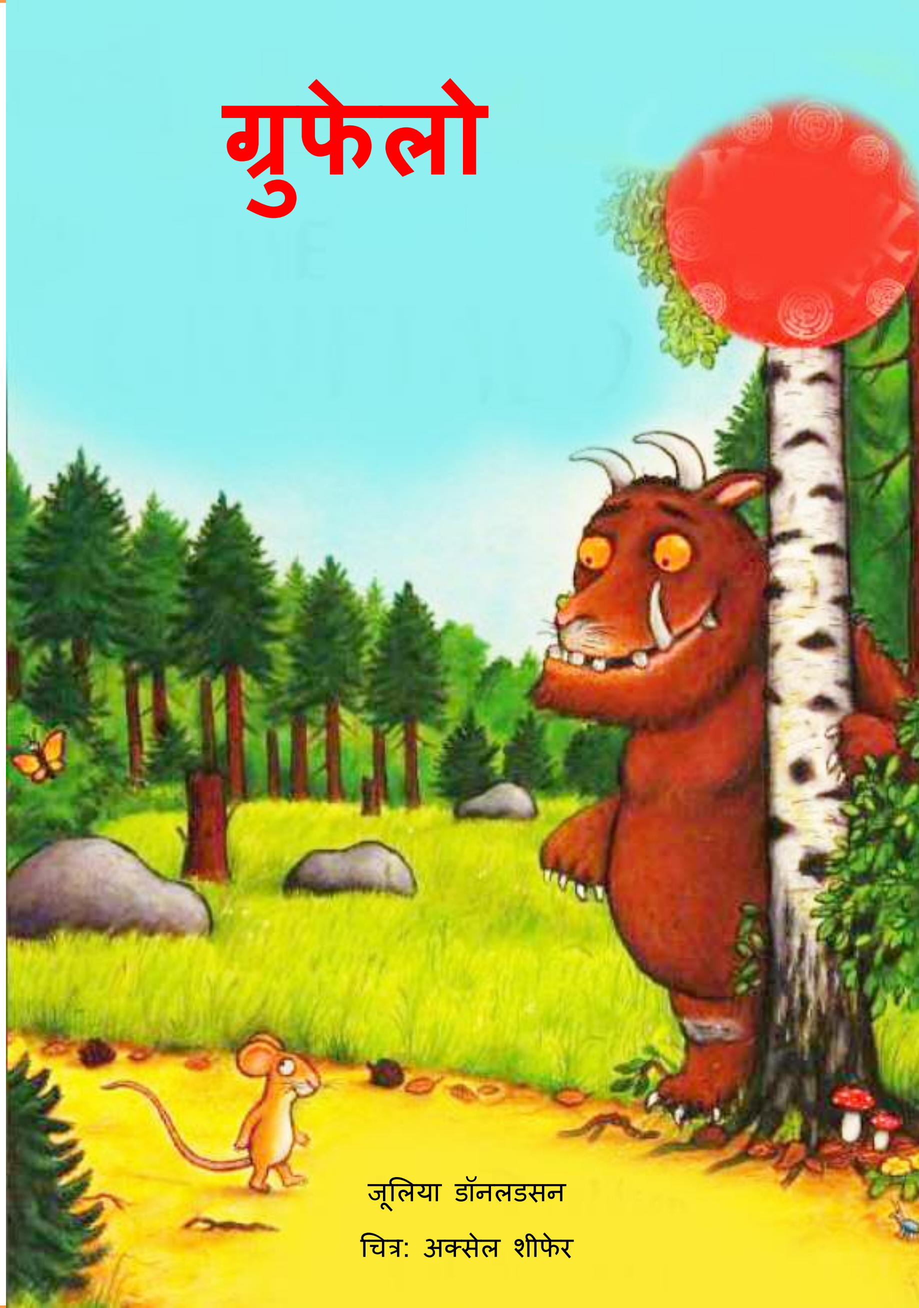
ग्रुफेलो



जूलिया डॉनलडसन

चित्र: अक्सेल शीफेर

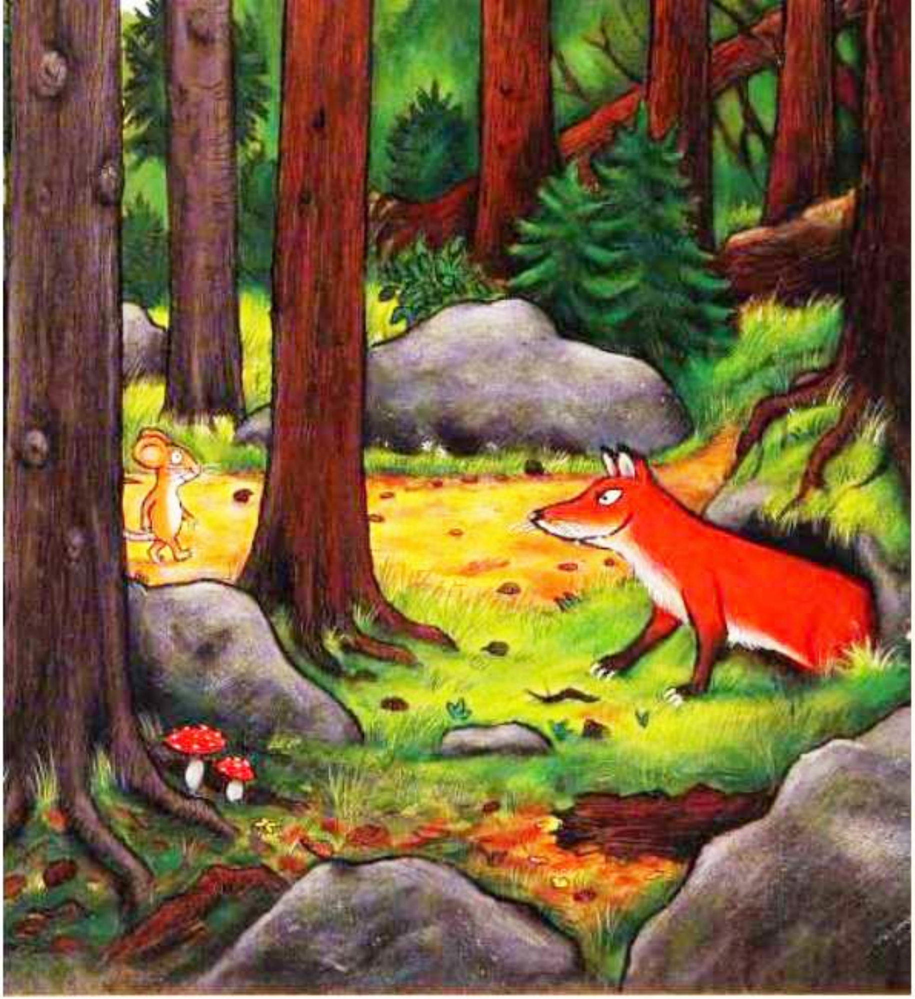


ग्रुफेलो



जूलिया डॉनलडसन

चित्र: अक्सेल शीफेर



"काश मैं आ सकता प्यारे, पर बंधे हैं मेरे हाथ
आज दोपहर, मेरा खाना है, ग्रुफेलो के साथ."



चूहा घूमने निकला एक दिन, वो जंगल उसको भाया,
लोमड़ी ने जब देखा उसको, उसके मुंह में पानी आया.
"मेरे छोटे चूहे भाई, जाते क्यों तुम इधर-उधर?
आज दोपहर का खाना खाने, आ जाओ तुम मेरे घर."

"ग्रुफेलो? नाम नहीं सुना, कौन है वो ग्रुफेलो?"
"पता नहीं उसके बारे, तो अच्छी तरह यह सुन लो?





“बड़े भयानक सींगों वाला, दस नुकीले पंजों वाला,

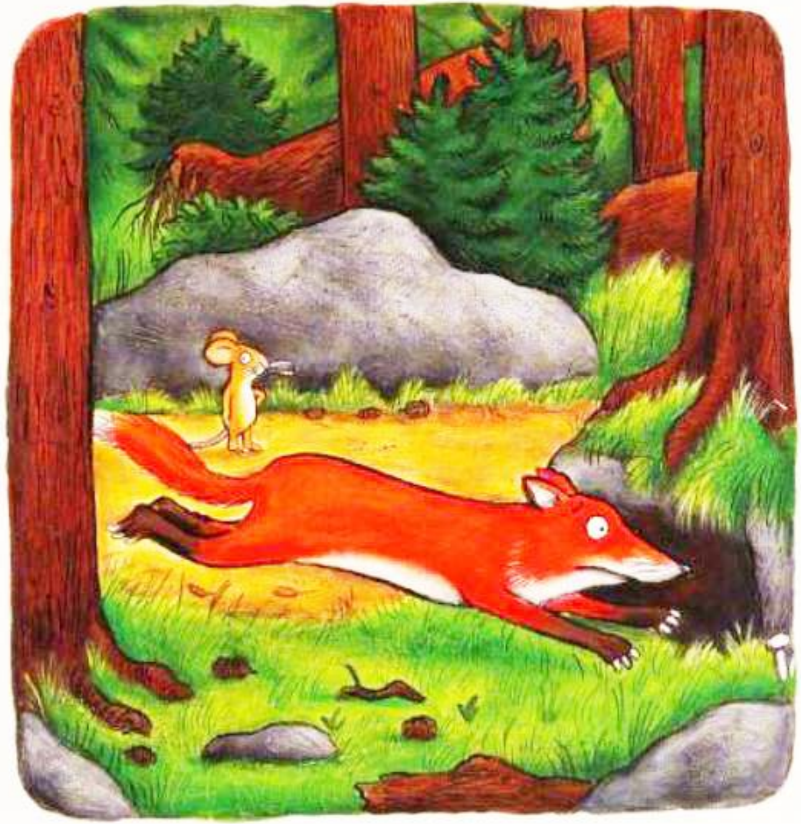


जिसके मोटे जबड़े में है दांतों की माला.”

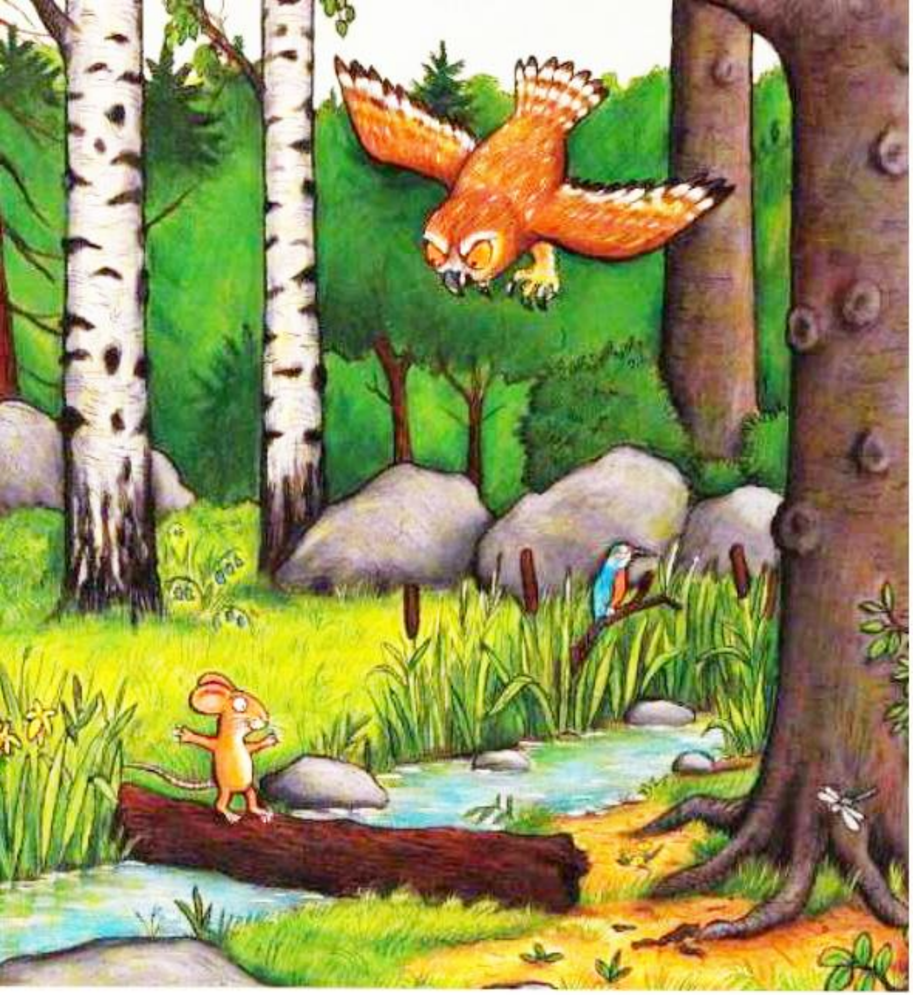


“तुम कहाँ मिलोगे उससे?”
“इसी पत्थर के पास मिलेगा, मुझको मेरा दोस्त,
और उसका मनपसंद खाना है लोमड़ी का गोश्त.”

“लोमड़ी का गोश्त! मैं चली!” लोमड़ी चिल्लाई.
“अलविदा छोटे चूहे, लगता है, मेरी शामत आई.”



“उस बेवकूफ लोमड़ी को इतना भी मालूम नहीं,
ग्रुफेलो जैसा जीव, इस दुनिया में होता ही नहीं?”



"काश मैं आ सकता उल्लू, पर बंधे हैं मेरे हाथ
आज शाम मेरी चाय है, ग्रुफेलो के साथ."



छोटा चूहा आगे निकला, उसने जंगल में खुद को पाया,
उल्लू ने जब देखा उसको, उसके मुंह में पानी आया.
"मेरे छोटे चूहे भाई, जाते क्यों तुम इधर-उधर?
आज शाम चाय पीने को, आ जाओ तुम मेरे घर."

"ग्रुफेलो? नाम नहीं सुना, कौन है वो ग्रुफेलो?"
"पता नहीं उसके बारे, तो अच्छी तरह यह सुन लो?





“उसके घुटने टेढ़े-मेढ़े,

और पंजे बड़े नुकीले



नाक के कोने में उसके मस्से मोटे जहरीले.”

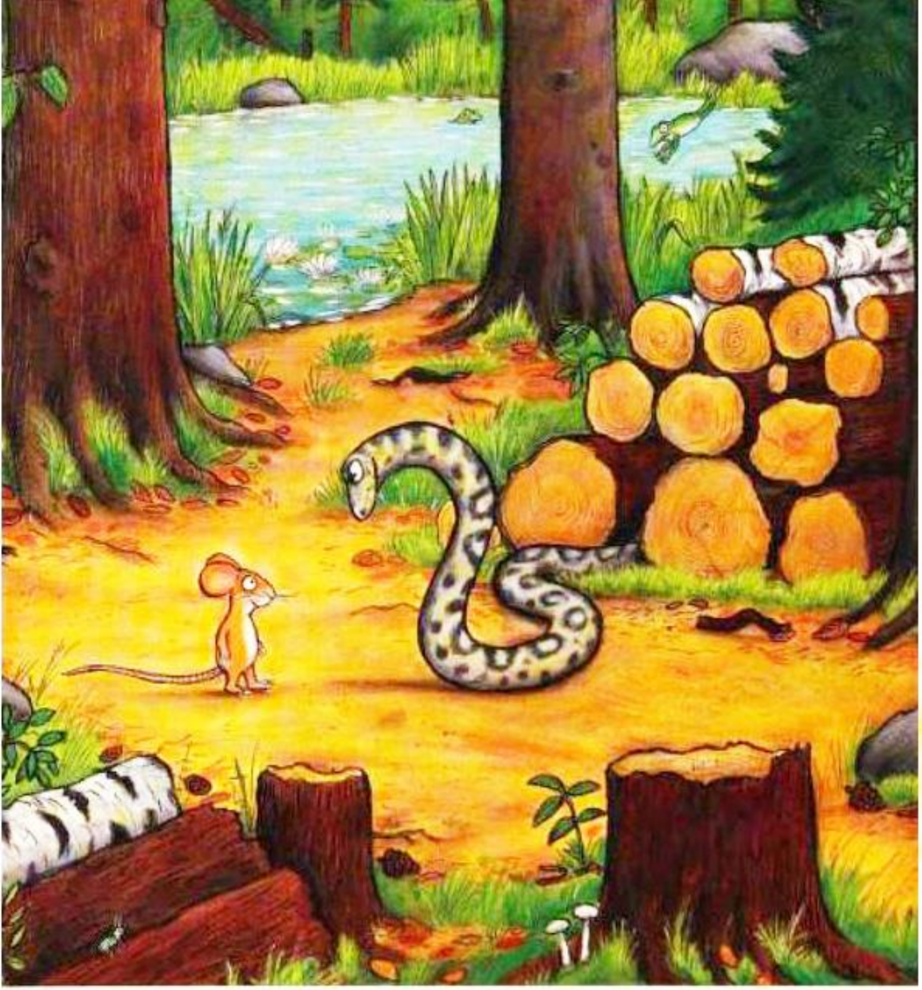


“तुम कहाँ मिलोगे उससे?”
“यहीं, नदी के पास मिलेगा, मेरा वो अज़ीज़
और आइसक्रीम उल्लू की, खाएगा वो प्लीज.”

“आइसक्रीम उल्लू की! अरे बाप-रे-बाप!
“अलविदा छोटे चूहे, यहाँ रुकना है पाप!”



“उस बेवकूफ उल्लू को इतना भी मालूम नहीं,
ग्रुफेलो जैसा जीव, इस दुनिया में होता ही नहीं?”



छोटा चूहा आगे निकला, उसने जंगल में खुद को पाया,
सांप ने उसको जब देखा, तो मुंह में पानी आया.
"मेरे छोटे चूहे भाई, जाते क्यों तुम इधर-उधर?
आज रात को दावत खाने, आ जाओ तुम मेरे घर."

"काश मैं आ सकता भाई, पर बंधे हैं मेरे हाथ
आज रात मेरी दावत है, ग्रुफेलो के साथ."



"ग्रुफेलो? नाम नहीं सुना, कौन है वो ग्रुफेलो?"
"पता नहीं उसके बारे, तो अच्छी तरह यह सुन लो?





"आँखें हैं नारंगी उसकी

जीभ है काली-काली

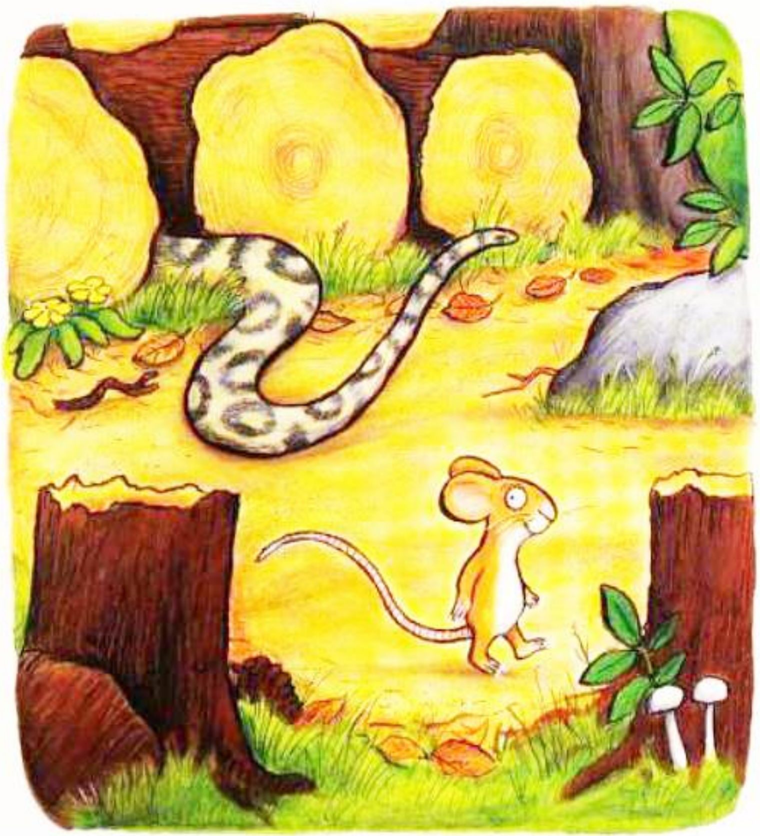


और पीठ पर उसके छाई काँटों की हरियाली."

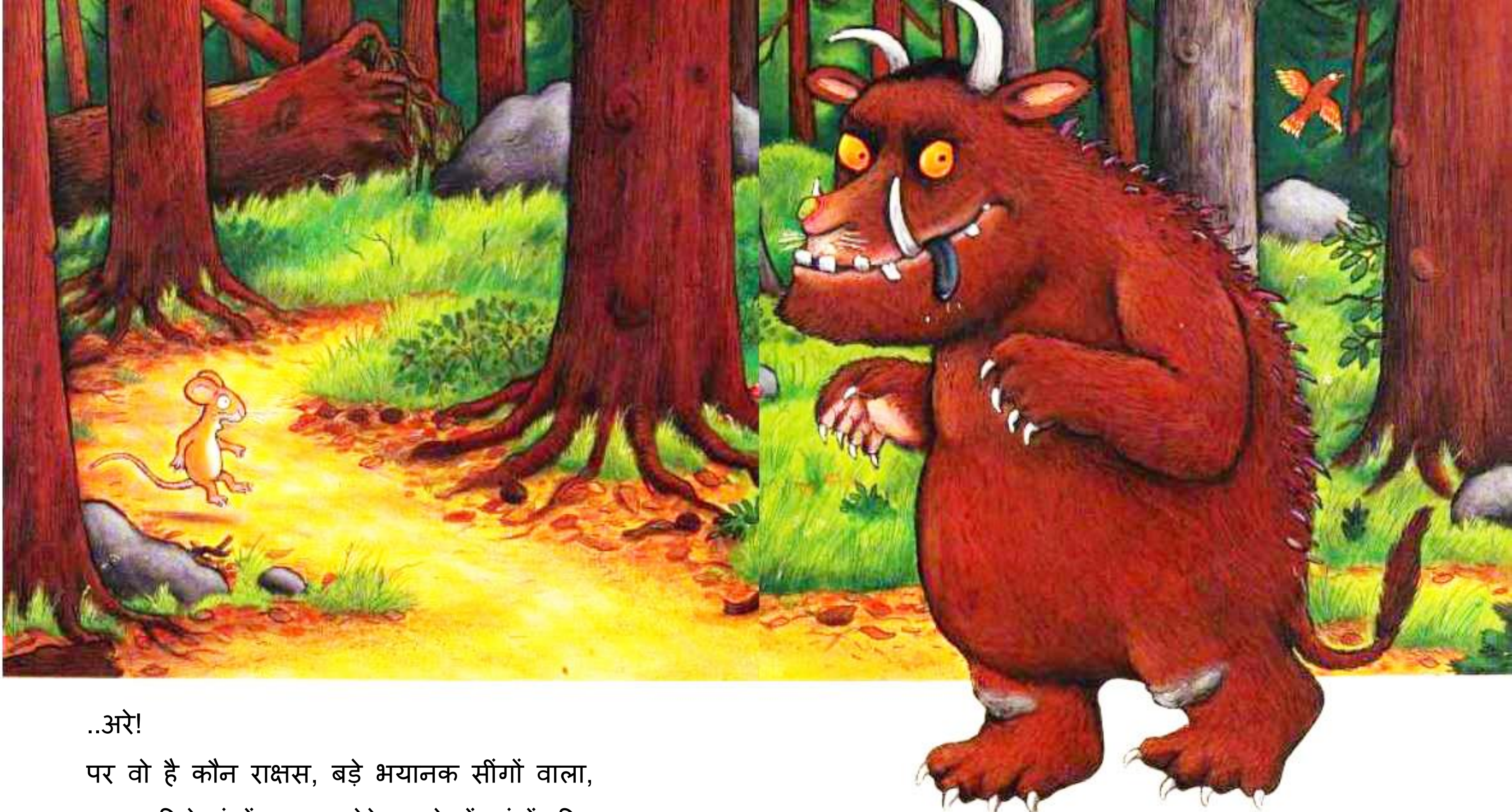


"तुम कहाँ मिलोगे उससे?"
"यहीं, ताल के पास मिलेगा, मुझको मेरा दोस्त,
उसका मनपसंद खाना है भुने सांप का गोश्त."

"सांप का गोश्त बाप-रे! मुझे है जल्दी छिपना!
अलविदा छोटे चूहे, मुझे यहाँ नहीं रुकना!"



"उस बेवकूफ सांप को इतना भी मालूम नहीं,
ग्रुफेलो जैसा जीव, इस दुनिया में होता ही नहीं?"



..अरे!

पर वो है कौन राक्षस, बड़े भयानक सींगों वाला,

दस नुकीले पंजों वाला, मोटे जबड़े में दांतों की माला

घुटने उसके टेढ़े-मेढ़े, पंजे उसके बड़े नुकीले

नाक के उसके कोने में, मस्से मोटे जहरीले.

“आँखें हैं नारंगी उसकी, जीभ है काली-काली

और पीठ पर उसके छाई, काँटों की हरियाली.

“अरे बाप-रे! मुझे बचाओ!

वो तो है ग्रुफेलो!”

“मेरा मनपसंद खाना,” ग्रुफेलो ने हंसकर ली चिकोटी.

“एक ब्रेड के स्लाइस पर, चूहे की मोटी बोटी!”



“पर,” चूहे ने कहा. “मैं नहीं कोई छोटी-मोटी चीज़!

मैं हूँ इस जंगल का सबसे खतरनाक जीव.

मेरे आओ पीछे, यहाँ पर सब मुझ से डरते हैं.

सारे जीव देखकर मुझको, थर-थर कांपते हैं.”

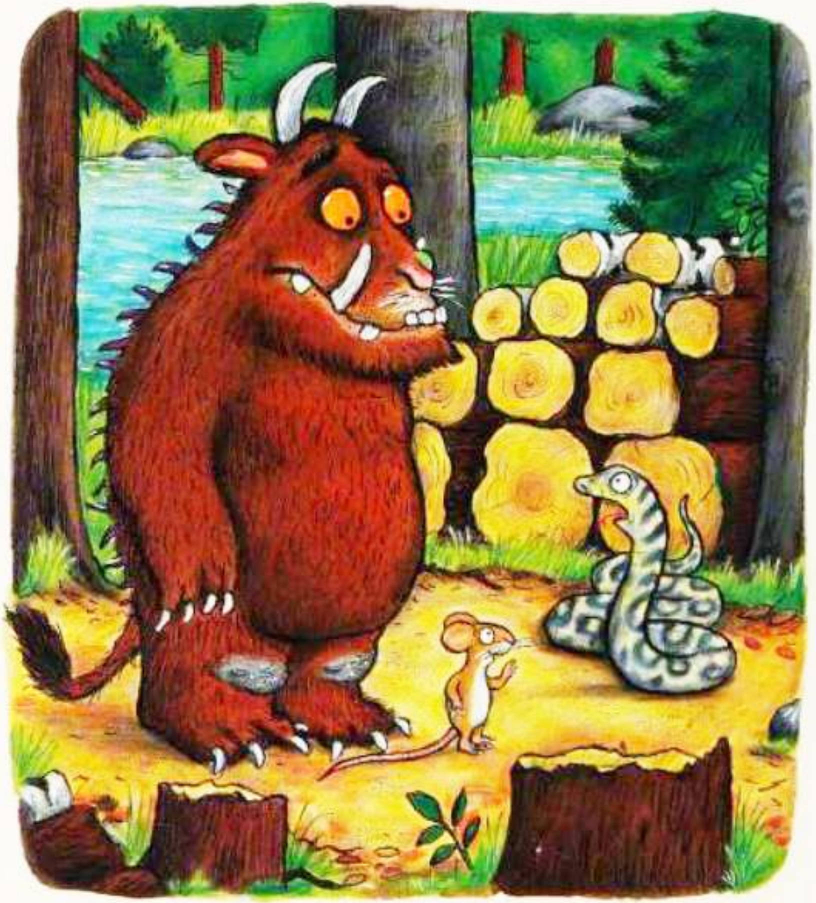
“चलो, ठीक है,” ग्रुफेलो, हँसते हुए चिल्लाया.

“तुम चलो आगे-आगे, मैं पीछे-पीछे आया.”



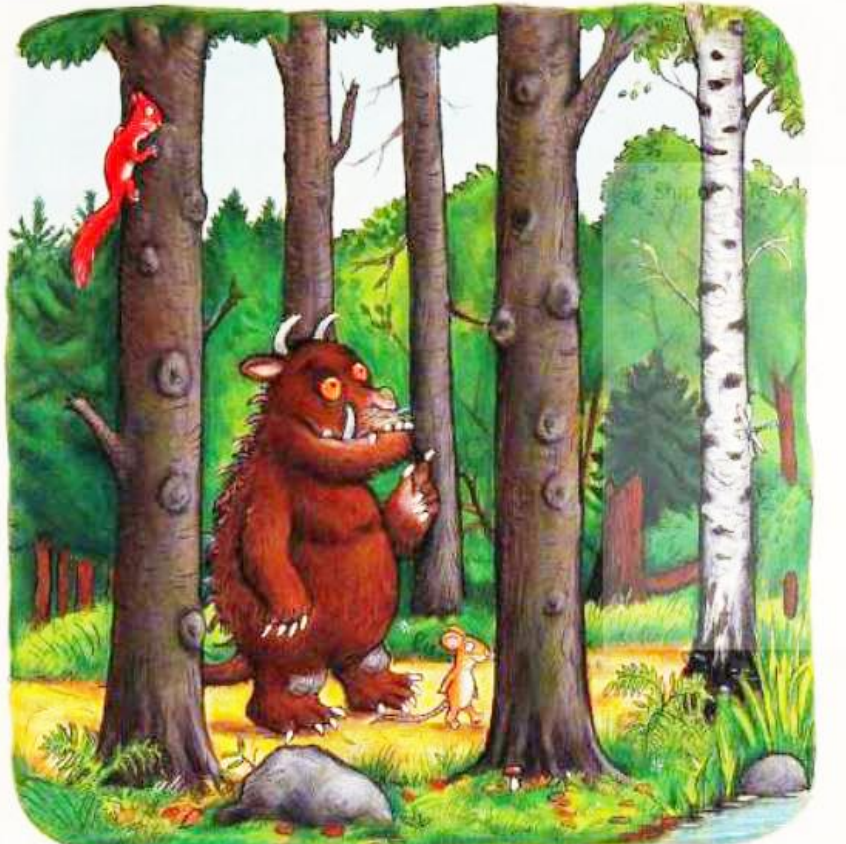
जंगल में थोड़ा आगे, ग्रुफेलो बोला बार-बार

“मुझे सुनाई देती है आगे, सांप की फुँकार.”

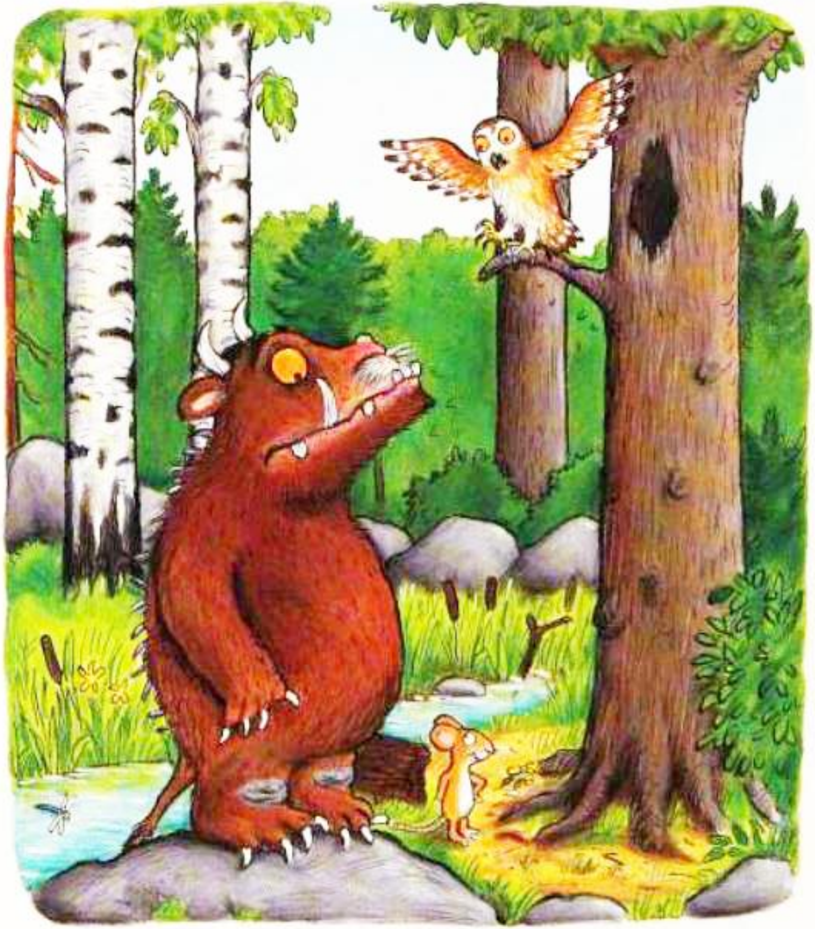


“वो सांप ही है,” चूहे ने कहा. “क्यों, सांप, हेलो!”
तभी सांप के सामने आया वो भीमकाय ग्रुफेलो
“अरे बाप-रे!” सांप चिल्लाया, “अलविदा चूहे भईया,”
फिर वो तेजी से रेंगते, अपने बिल में घुस गया.

“देखा तुमने,” चूहा गरजा. “देख ली मेरी धाक!“
“गजब!” बिचारे ग्रुफेलो की शान हो गई खाक.

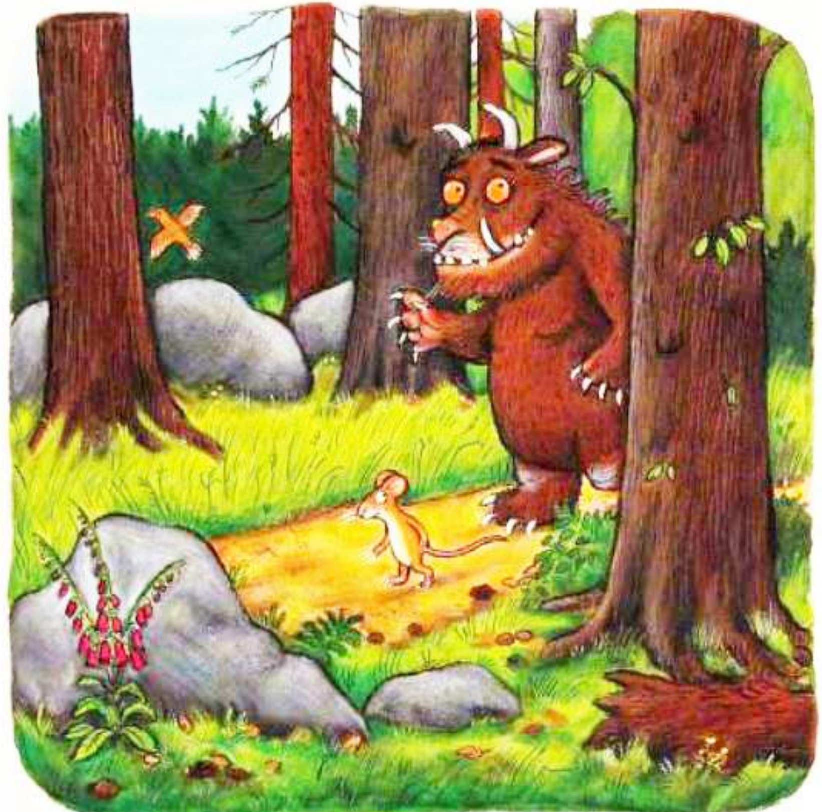


वे जंगल में कुछ और बढ़े, तब ग्रुफेलो ने खोल राज
मुझे सुनाई देती है आगे, एक उल्लू की आवाज!”



"वो उल्लू ही है," चूहे ने कहा. "क्यों, उल्लू, हेलो!"
तभी सांप के सामने आया वो भीमकाय ग्रुफेलो.
"मेरे दोस्त!" बोला उल्लू, "अलविदा चूहे भईया,"
आज बच गया बाल-बाल मैं, दईया-रे-दईया."

"देखा तुमने," चूहा गरजा. "देखा मेरा रुतबा!
इस पूरे जंगल में देखो चलता मेरा फतवा!"



कुछ देर जंगल में चलकर, ग्रुफेलो ने फरमाया,
"मुझे अभी-अभी देखो पैरों का, शोर सुनाई आया!"

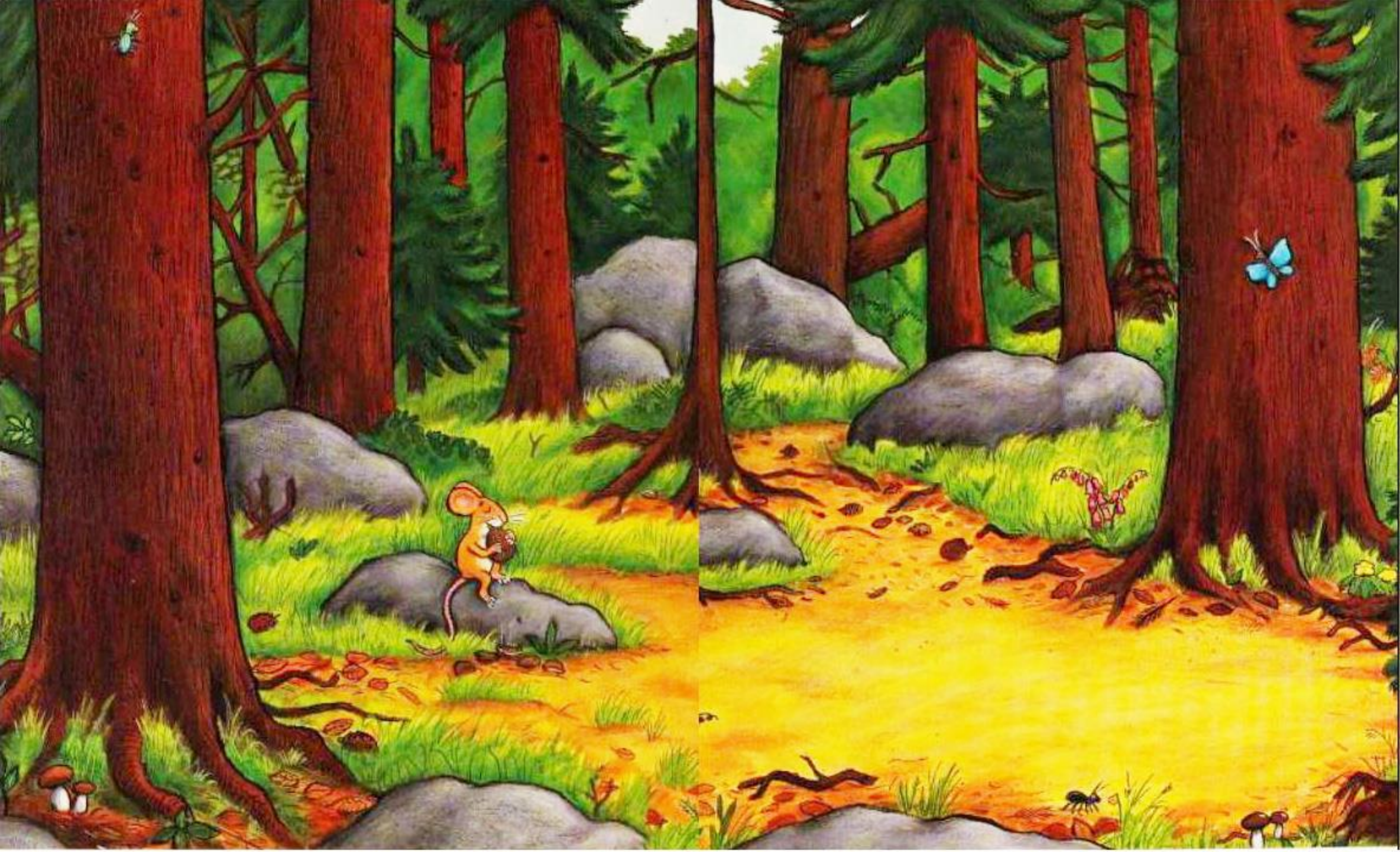
“देख लिया अब मेरा जलवा,
नहीं भाता है मुझको हलवा
पर एक भोजन से है मुझको प्यार
और वो है ग्रुफेलो का अचार!”



“वो लोमड़ी ही है,” चूहा बोला. “क्यों, लोमड़ी, हेलो!”
तभी लोमड़ी के सामने आया वो भीमकाय ग्रुफेलो
“मुझे बचाओ!” वो चिल्लाई, “अलविदा चूहे भाई,”
डर के मारे लोमड़ी को, अपनी नानी याद आई.



“ग्रुफेलो का अचार!” ग्रुफेलो चिल्लाया,
वो फिर दौड़ा सरपट और कभी नहीं आया.



जंगल में अब चैन-सुकून है छाया

चूहे को एक मिला बीज, जो उसने जल्दी खाया.

